अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 21.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

पुण्य-पाप–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

पुण्य–किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(क) आचार्य भिक्षु ने पुण्य जनित कामभोगों को विषतुल्य क्यों कहा है?

(ख) द्रव्य पुण्य व भाव पुण्य की परिभाषा लिखें।

(ग) तेजस् और कार्मण शरीर के अंगोपांग क्यों नहीं होते?

(घ) पौद्गलिक सुख व आत्मिक सुख में कोई दो अंतर लिखें।

(ड़) पुण्य कर्म की सर्वमान्य प्रकृतियां कितनी हैं? तालिका लिखें।

(च) आठ कर्मों में पाप रूप कितने व पुण्य रूप कितने कर्म हैं?

पाप–किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें–

(छ) गौरव किसे कहते हैं? वह अशुभ नाम कर्मबन्ध का हेतु क्यों है?

(ज) वीर्यान्तराय कर्म की व्याख्या करें।

(झ) देशघाती और सर्वघाती ज्ञानावरणीय कर्म किसे कहते हैं? वे कौन-कौन से हैं?

(ञ) देहादि का कारण माता-पिता प्रत्यक्ष है फिर अदृष्ट कर्म क्यों माना जाए?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **पुण्य–**

अल्पआयुष्य अथवा दीर्घायुष्य बंध के हेतु लिखें।

अथवा

पुण्य जनित काम-भोगों के संबंध में दो दृष्टियां कौन-कौन सी हैं?

(ख) **पाप–**

मोहनीय कर्म के स्वभाव व उसके भेदों का उल्लेख करें।

अथवा

आचार्य भिक्षु ने आठों कर्मों के नाम को गुण निष्पन्न क्यों कहा है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 24

(क) **पुण्य–**

क्या सावद्य दान से पुण्य प्राप्त होता है?

अथवा

आत्मिक सुख व पौद्गलिक सुख में क्या अन्तर है?

(ख) **पाप–**

दुख को समभाव से क्यों सहन करना चाहिए?

अथवा

आचार्य भिक्षु ने पाप कर्म और पाप की करनी को भिन्न-भिन्न क्यों कहा?

अवबोध (निर्जरा से देवगति तक)–30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 6

(क) देव किसे कहते हैं?

(ख) मोक्ष में भाव कितने होते हैं?

(ग) निर्जरा कौन-सा भाव, कौन सी आत्मा?

(घ) सकाम व अकाम से क्या तात्पर्य है?

(ड़) समुद्घात किसे कहते हैं?

(च) किस योनि से निकलकर मनुष्य सबसे कम सिद्ध होते हैं?

(छ) संयमी मुनि कौन से देवों में उत्पन्न होते हैं?

(ज) प्रकृति बंध किसे कहते हैं?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखें– 12

(क) सिद्धशिला क्या है और कहां पर है?

(ख) किस संहनन वाला कौन से देवलोक में उत्पन्न होता है?

(ग) उजला लेखे, करणी लेखे, निर्जरा का क्या स्वरूप है?

(घ) मोक्ष में क्रिया नहीं है फिर आत्मा के भेद क्यों?

(ड़) बंध की परिभाषा क्या है और उसके कितने प्रकार हैं?

(च) क्या सिद्धों की पर्याय भी बदलती है?

(छ) देवों की पहचान क्या है?

प्र. 6 किन्हीं तीन प्रश्नों के विस्तार से उत्तर लिखें– 12

(क) वैमानिक देवों का अवधिज्ञान कितना है?

(ख) सिद्धों के पन्द्रह भेद अर्थ सहित लिखें।

(ग) तिर्यंचों के सम्यक्त्व प्राप्ति में कौन-कौन से निमित्त हो सकते हैं? क्या सभी सम्यक्त्वी मनुष्यों के संवर होता है?

(घ) देवों के कितने इन्द्र हैं?

(ड़) कर्मबन्ध के हेतु कौन-कौन से हैं?

गीतिका (दस दान, अठारह पाप)–20

प्र. 7 किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 4

(क) भगवान ने अभय दान किसे कहा है?

(ख) दस दान में भगवान की आज्ञा में कितने दान हैं? आज्ञा बाहर कितने?

(ग) कारूण्य दान की क्या परिभाषा है?

(घ) श्रावक को रत्नों की खान किस अपेक्षा से कहा गया है?

(ड़) किस दान से संसार परीत किया जा सकता है?

(च) मूल में दान कितने हैं?

प्र. 8 कोई चार पद्य अर्थ सहित लिखें– 16

(क) आंबां.....तणी ए।।

(ख) लूण.....संसार ए।।

(ग) सूतर.....तेह ए।।

(घ) लेणात.....नाक ए।।

(ड़) इविरत सूं.....पारिखा ए।।

(च) दाता.....उतारसी ए।।